



॥ खाटू श्याम जी की आरती ॥

ॐ जय श्रीश्याम हरे, प्रभु जय श्रीश्याम हरे ।
निज भक्तन के तुमने पूरण काम करे ॥
हरि ॐ जय श्रीश्याम हरे...

गल पुष्पों की माला, सिर पर मुकुट धरे ।
पीत बसन पीताम्बर, कुण्डल कर्ण पड़े ॥
हरि ॐ जय श्रीश्याम हरे...

रत्नसिंहासन राजत, सेवक भक्त खड़े ।
खेवत धूप अग्नि पर, दीपक ज्योति जरे ॥
हरि ॐ जय श्रीश्याम हरे...

मोदक खीर चूरमा, सुवर्ण थाल भरे ।
सेवक भोग लगावत, सिर पर चंवर दुरे ॥
हरि ॐ जय श्रीश्याम हरे...

झांझ, नागारा और घड़ियावल, शंख मृदंग घुरे ।
भक्त आरती गावें, जय जयकार करे ॥
हरि ॐ जय श्रीश्याम हरे...

जो ध्यावे फल पावे, सब दुःख से उबरे ।
सेवक जब निज मुख से, श्रीश्याम श्याम उचरे ॥
हरि ॐ जय श्रीश्याम हरे...

श्रीश्याम बिहारीजी की आरती, जो कोई नर गावे ।
गावत दासमनोहर, मन वांछित फल पावे ॥
हरि ॐ जय श्रीश्याम हरे...

और भी आरती व चालीसा देखने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें:

<https://bhaktimargdarshan.com/>

हम आशा करते हैं कि यह सामग्री आपके लिए उपयोगी रही होगी ।
अगर आपको यह पसंद आई हो, तो इसे अपने परिवार और मित्रों के साथ जरूर साझा करें ।

Bhakti Margdarshan

